



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

अधिकरण से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 156]  
No 156]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 17, 1987/आषाढ़ 26, 1909  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 17, 1987/ASADHA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सं. 1/सर्वजनिक सूचना सं. 202-आई. टी. सी. (पी. एन.)/85-88

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1987

विषय:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की हल्दिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 3.971 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फा. सं. आई. पी. सी. 23(35)/85-88:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की हल्दिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 3.971 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपकरण और सेवाओं पर शासित शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

४./—

(राजीव लोचन मिश्र), मुख्य नियंत्रक, आयात निगमित  
(एम. पी. घुगर), उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निगमित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 202 - आई. टी. सी. (पी. एन.)/85-88 दिनांक 17-07-1987 का परिशिष्ट।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की हल्दिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 3.971 बिलियन येन के येन क्रेडिट के अधीन उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें :—

1(1) कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की हल्दिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना की आयात आवश्यकताओं को धित पोषित करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा दिया गया 3.971 बिलियन येन का ऋण जापान और भारत सहित विकसमशील देशों के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों (भारत सहित) से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत प्राप्त संकेत देण हंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्ही मर्दी और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकने हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूजोगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सी) येन का मूल्य 4 170 बिलियन (बागत-बीमा-बाढ़ा) येन से अधिक नहीं होता बाहिए

आयात लाइसेंस का नये में मूल्य, राजस्व विभाग (सीमा-शुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई वर्जनिक सूचना सं. 78-आई. टी. सी. (पी. एन.)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियम दर पर लाइसेंस मूल्य के भागें डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन श्रृण सं. आई. डी. पी. 41" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जेसी" कोड होगा। कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट को आयात लाइसेंस सेजते समय मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के पत्र में भी इसे दुरुपयोग जाएगा, जि की एक प्रति वित्त मंत्रालय प्राधिकार्य विभाग (जापान अनुभाग) में पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) लागत बीमा भाड़ा के आधार पर केवल कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के नाम में लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

1(4) कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य येन 4.170 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि ऊपर पैरा 1 (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में वृद्धि आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और प्रायः तक की अवधि के लिए दी जा सकती है। प्रायः और वृद्धि करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे प्राधिकार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तबान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत् सत्यापित संलग्न मास और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पत्र के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को अज्ञात पर निःशुल्क/लागत भाड़ा मूल्य के आधार पर दिये जाने चाहिये और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर प्राधिकार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिये जाने चाहिए। बीमा प्रसार को भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पत्र के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंस-धारी द्वारा दिए गए उन कृय आदेशों में है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित कृय संधिवा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकारियों के आदेश या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण बलवैध आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय प्राधिकार्य विभाग श्रृंखला अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा-1(8) में यथा उल्लिखित पत्र के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कार्यों से अहां दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंस-धारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पत्रता के आधार पर विचार किया जाएगा।

वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए नांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, प्राधिकार्य विभाग (जापान अनुभाग), कार्य श्रृंखला, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसे वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पत्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्रदान करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और बिभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अर्जन किए गए संभरण ठेकों में बैंक गारंटी रखपत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र मूल्य श्रृंखला जना कराने प्रादि की स्वीकृति की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान अवश्य पूर्ण करने चाहिए। माल के पोदकदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर प्रेषित पोदकदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की श्रृंखला सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साख-पत्र की प्राप्ति के बाद ————— नहीं परन्तु अधिक से अधिक ————— के अस्त तक पूर्ण किया जाता है।"

पोदकदान के लिए प्राप्ति तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-19 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:—

2(1) ठेके का अज्ञात पर्याप्त निःशुल्क मूल्य/लागत भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। कय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) श्रृण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी मास और स्रोत श्रृण के संग्रहित अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित सम्पूर्ण शर्तों के साथ किए जाएंगे:—

(क) कम से कम 300 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के मास और सेवाओं/स्रोतों की अधिप्राप्ति के नामने में:—

(1) यदि यू.एन. इंटरगोर्ण्डिय निबिधा से भिन्न अधिप्राप्ति की पद्धति को अपनाए जाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति के अनुमोदन के लिए कोई सी एक को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसने पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफन बॉन्डधार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र भी ई सी एक को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्व अर्जनों की मूल्यांकन रिपोर्ट, बॉन्डधारियों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विनिर्दिष्टकरण और ड्राइंग और बातः से संबंधित अन्य दस्तावेज भी ई सी एक को सी. ए. ए. के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 300 मिलियन से कम अनुमानित मूल्य के मात्र और सेवाओं का अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ ई सी एफ के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खर्च उचित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि ओ ई सी एफ. अनुमोद करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट और उसको पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) उपर्युक्त (क) (1), (क) (2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग की दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ ई सी एफ की भेजी जाएगी।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1986-87 के लिए ओ. ई. सी. एफ. में क्रेडिट (परियोजना सहायता सं. आई डी पी-41 के अंतर्गत खर्च) पर अविवर्तनीय साक्ष्य के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका ध्येय नॉले खंड-7 में दिया गया है।

2(4) संभरक की पात्रता : संभरक पात्र स्रोत देशों के नागरिक होंगे या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के नागरिकों द्वारा शासित बैंक व्यक्ति होंगे।

2(5) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेष आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका विलंबान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद प्रति एकक का मूल्य अवधार आधार पर आयातित भाग का 50 प्रतिशत से कम हो :-

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा + आयात शुल्क}}{\times 100}$$

संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में फौजदारी कीमत प्रपनाई जाएगी)

2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा मास एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला मास ----- (संभरित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।

मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 30 प्रतिशत से ही है :-

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क}}{\times 100}$$

संभरक का जहाज पर निशुल्क मूल्य

(जहाँ लागू न हो फौजदारी कीमत बताए)

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि ----- (पात्र स्रोत देश का नाम) में ----- (कंपनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रियों द्वारा नियमित है।

खंड-3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट किए जाने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच हस्तिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना के लिए में क्रेडिट सं. आई डी पी-41 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को

हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच में क्रेडिट सं. आई डी पी-41 से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले भारतीय-जापानी संयुक्त के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और वस्तुओं को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा में ऋण के अधीन अर्पित हों।

(घ) उपर्युक्त 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में रहता हो तो संभरण संविदा के सन्ध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्वगी के कार्यक्रम से भ्रमण करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक हस्तु हो, सूचना की इस भ्रमण को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक ध्येय देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एफ द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) साइसेंसधारी को उसके आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरक दोनों द्वारा विधिपूर्वक हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियां संगत बैंक आयात साइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए और ठेकों की विषय वस्तु के लिए प्रतिवार्य आरोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके के एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात साइसेंस की फोटोकॉपी और "प्राधिकार पत्र" जारी करने के लिए आवेदन की एक प्रति के साथ सी ए ए एण्ड ए के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 विदेशी संभरकों को सुगतान-साक्ष्य पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहयोगी लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग, बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शाखा को संशोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक अधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शाखा सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं

के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलनी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

5(2) प्राधिकार-पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयतों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबन्धित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग विधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एफ.ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संवत्सरी संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साख-पत्रों के संशोधनों पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलवान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख-पत्र में उल्लिखित वस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज नहीं पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रति-पूर्ति विदेशी आर्थिक निधि से प्राप्त करेगा।

ओ ई सी एफ ठेके के मूल्य की 2/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं गृहण/निधियों में से चुकाई जाएगी। ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रण, वित्त मंत्रालय में भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों की तुल्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी, ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातित द्वारा चुकाया जाएगा।

प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अन्तर्गत भी आयातक द्वारा 0.1 प्रतिशत इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन सौदा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैंकों के अन्य प्रभारों के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे, विदेशी संभरक को आयातों की लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा प्रतिपूर्ति की तारीख तक की गिने जाने वाली अवधि के लिए भारतीय बैंक, टोकियो को देय ब्याज के खर्चें भारत के संबद्ध आयातक बैंक द्वारा भारत के लेखों को प्रभारित किए बिना सामान्य बैंकिंग चैनल के माध्यम से भारतीय बैंक, टोकियो को प्रेषण करके तय किया जाएगा।

#### 5(5) पुनर्वितरण क्रिया विधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं के वितरण के लिए प्रक्रिया गृहण समसूची की पुनर्वितरण क्रिया-विधि के अनुसार होगी।

#### खण्ड--6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से पर-काम्य जहाज यानी वस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चित करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निक्षेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय से जानू अर्तमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समुल्य रुपये के लिए ब्याज प्रभार और उससे अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निक्षेप की तारीख से

विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31--आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा करने पड़ेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार ब्याज लिया जाएगा।

आयातक को संभरक को किए गए भुगतान की धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिए प्रलप से व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति की रुपया निक्षेप पर देय ब्याज की आंशिक और पूरी धनराशि की छूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनाये जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार नियमित की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इस संबन्ध में और ब्याज की दर के संबन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को अपने दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने गृहणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षित जमा कर दी गई भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा मूल्य प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देय धनराशि को माल की सुपुर्वगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह "क के डिपोजिट्स एक्वालिज-843 सिविल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परबेजिज क्टस्ट्रा एग्रोड एण्डर क्रेडिटल लोन एग्रिमेंट" लोन फोम दि गवर्नमेंट आफ आपान 3.791 बिसिबन येन क्रेडिट सं. आई टी सी-41 हलिया पोर्ट आधुनिकीकरण परियोजना होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में बालान के ऊपर बाहिनी ओर कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देने हुए रकार की साख में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74 आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्वाचित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा एंगी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबद्ध भारत में आयातक बैंक को ऊपर निर्वाचित तरीके से यह प्रतिरिक्त धनराशि देना खर्चों के निमित्त सेवेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/



उसके बैंकों का इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना स. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के बर 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण अतिरि में निरपवाद रूप से निश्चित किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित अतिरि निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में प्रपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी.ए.ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की संलग्न करते हुए खजाना चालान तय्यार जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत बाक द्वारा सी. ए. ए. ए.ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो की आदेश्यगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. ए. वित्त कर मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्धारण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और प्रपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ब्रम्बई को भेजना चाहिए।

#### खण्ड-7 विविध व्यवस्थाएं

##### 7(1) आयात लाइसेंस के समुपयोजन की रिपोर्टें

आयातक का पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साख-पत्र खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

##### 7(2) संभरकों की विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरक की प्रवृत्त करा देना चाहिए जो माल के जाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

##### 7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त अनुबंध-2 में "भुगतान की शर्त" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से संबंध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

##### 7(4) भविष्य अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) स. आई.टी.पी.-41 के अधीन सभी मामलों को विदेशी आर्थिक निधि, जापान (ओ. ई. सी. एक.), के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विदेशी, अनुदेशों, या बाधेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

##### 7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाई की जाएगी।

##### 7(6) अनुबंधों की सूची

- 1 अनुबंध—1 पात्र स्रोत देशों की सूची
- 2 अनुबंध—2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
- 3 अनुबंध—3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
- 4 अनुबंध—4 साख-पत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)
- 5 अनुबंध—5 साख-पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

अनुबंध—1

पात्र स्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उनके क्षेत्र

(क-1) विदेशी आर्थिक सहयोग से निम्न विकासशील देश

- 1 अफ्रीका, उत्तरी द्वारा  
मिश्र  
मोरोका  
सुनीशिया
- 2 अफ्रीका, दक्षिणी सहारा  
मंगोला, बैनिन  
कैमेरून  
चाद  
मध्य गिरि (1)  
माला  
कीनिया  
मलागासी गणतंत्र  
मालिनीया, मारीमस  
पुर्तगाली गिनी रि  
खाण्डा  
सियरालियोन  
स्वाजीलैण्ड  
सुमात्रा  
जाइरे गणतंत्र  
अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय  
बहामस  
बरमूडा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
ग्वाटेमाला  
जमैका  
बोत्सवाना  
केप वर्डी द्वीप समूह  
कमोरी द्वीप समूह  
होपोनिया  
गिनी  
सेसोथो  
मालावी  
मोजम्बिक  
रिपुनियम  
सेनेगल से  
सोमालिया  
टेरी आफर्स ओह इस्सास  
तंजानिया गणतंत्र संघ

जाम्बिया  
बास्वाडोज  
कोस्टारिका  
एल सालवाडोर  
हेती  
माटिनिक  
बुरुण्डी  
केन्द्रीय अफ्रीका गणतंत्र  
कांगो, बाहुंसे का गणतंत्र  
जाम्बिया  
ग्राइबेरी कोस्ट  
लाइबीरिया  
माली  
नाइजर  
रोडेसिया  
सेचिलिय  
सूडान  
टोगो  
अपर वोल्टा  
बेलाइज  
क्यूबा  
गुवाडे लोप  
होन्डुरस  
मैक्सिको

नौदरलैण्ड आस्ट्रेलिया निकारगुवा पनामा

सेन्ट पियरों और निकेलान,  
ट्रिनिडाद और टोबागो  
वेस्टइंडीज (बारबा) एन आई ई  
(क) सह संघ राज्य (1)  
(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरीका  
अर्जेन्टीना  
ब्राजील  
फासिसी गुयाना  
पेरू  
बोलिविया  
कोलम्बिया  
गुयाना सूरिनाम  
ब्राजील  
फाल्क लैण्ड द्वीप समूह  
पराग्वे  
उराग्वे
6. मध्य-पूर्वी एशिया  
बहरीन

(1) पहले सेनी गिनी का प्रदेश, फरोम्बा पो द्वीप सहित

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :—

असेन्शन, ट्रिस्तम्बा इन एसोसिएट्स, नाइटिंगेल, गफ

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरूबा, बोनाइरे, क्यूरोकोओ, साह्रा, सेंट हेलेना और द्वीप (2) सामो टोनो एण्ड प्रिसे;

(1) मुख्य द्वीप एण्टिगुवा, बोमिनिका, प्रिन्सिपा, सेन्ट क्रिस्ट (सेन्ट क्रिस्टोफो) नेबिस अंगुइला, सेंट लूसिया और सेंट क्रिस्ट

(2) सैन आईलैण्ड, मोन्तेसरत, सेमान, तुर्की और काइकोस और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह।

लेबनान  
यूनाइटेड अरब एमिरात (3)  
इजराइल  
भोमन  
यमन अरब गणतंत्र  
जोर्डन  
सिरियाई अरब गणतंत्र  
यमन जनवादी का हो अर (4)

6. दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान  
बर्मा  
नेपाल  
बांग्ला देश  
भारत  
पाकिस्तान  
भूटान  
माल द्वीप  
श्री लंका

7. सुदूर पूर्वी एशिया

बरुनी  
कोरिया गणतंत्र  
हांगकांग  
लाओस  
खमेर गणतंत्र  
मकाओ  
मलेशिया  
ताइवान  
वियतनाम गणतंत्र  
फिलिपाइन  
थाईलैण्ड  
वियतनाम जनवादी गणतंत्र  
सिंगापुर  
तिमोर

8. ओसिनिया

फोक द्वीप समूह  
फेसिलीओसिनेसि (5)  
न्यू हेब्रिडिसि (वि और फ)  
पापुवा न्यू गिनी  
वालिस और फुतुना  
फिजी  
नारू  
नियू  
सोलोमन द्वीप समूह (बा.)  
पश्चिमी सागोआ  
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप  
म्यूकेलेम्बोनिया  
पेसिफिक द्वीप समूह  
(संयुक्त राज्य) (6)  
टोंगा

(3) अजबन, दुबई, फजाहरत, रास धल सेमाह, सरजाह और उम एल क्वेदेन

(4) अदन और विभिन्न अलतनत और अमोरात सहित

(5) सांसायटो आई लैट्स समूह (नाहित सहित) को शामिल करते हुए भास्टल द्वीप समूह, दुबामोट, जाम्बियर ग्रुप और माकेसस द्वीप समूह।

(6) पैसिफिक द्वीप समूह की ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और म्नेरिना द्वीप समूह (गाम छोड़कर)।

## 9. यूरोप

साईप्रस

माल्टा

यूगोस्लाविया

जिब्राल्टर

स्पेन

ग्रीक

तुर्की

(क) 2-ओ पी ई सी के सदस्य या सहयोगी देश

अल्बानिया

नाइजीरिया

ईराक

आबू धाबी

बोलिविया

इक्वेडोर

कुवैत

इन्डोनेशिया

सोवियत ईशान्य गणतन्त्र

बेन्जुइला

कतार

मोजाम्बिक

ईरान

सऊदी अरब

(ग) प्राप्ति के तरीके—क्या वह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है? इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो उसके सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या निविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है?

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश।

(च) यदि कोई हो तो पात्र से भिन्न स्त्रोत देशों से आयातित संघटकों का प्रतिफल।

(छ) निविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येन) में।

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।

(झ) वास्तविक जहाज पर निःशुल्क लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।

(ञ) समुद्र पार के संभरणों के साथ की गई निविदा की संख्या एवं विनोद।

(ट) विदेशी संभरण का नाम, पता और राष्ट्रीयता।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित निधियों जिनको निविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्तगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक मेट की संख्या और उनका निपटारा दिखाते हुए)।

(ण) पोषणभार अनुदेश वाहन-तारण/पार्टीशिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत निविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दी गई है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक निविदा की संख्या, विनोद और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संवर्धन जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी. एक को अधिसूचित किया गया है।

(द) क्या साख-पत्र के संवापन और रख-रखाव के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खाते आयातकों/या संभरणों द्वारा वहन किए जाते हैं।

(1) आयातक द्वारा वचनावस्था—

“हम एनद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और वर दे विदेशी संभरण को किए गए भुगतान के समतुल्य राशि का पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक विशेष माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्तगी संपत्ति से पूर्व तत्काल ही धनराशियां जमा कराई जाएंगी। विदेशी राष्ट्रीयता याकों की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में, किए गए ज्यों ही विदेशी संभरणों के बचक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरणों को भुगतान कर दिया जाए, स्वयं ही धनराशियां जमा करा दी जाएं।”

## अनुसूच-2

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र

संख्या— दिनांक—

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,

यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय: येन क्रेडिट सं. आईईपी (1985-86 के लिए परियोजना सहायता) के अन्तर्गत जापान से — का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आईईपी (परियोजना सहायता) के अर्धीत से आयात के संबंध में (बैंक का नाम) जो कि वहां होना चाहिए जो नीचे (ड) में संकेत समुद्रपार-संभरण के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, को प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ध्यौरे प्रस्तुत करते हैं:

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, विनोद और मूल्य वट तरीके जिस तरह बैंक है।

अनुसूच-3

(प्राधिकृत किए जाने के पक्ष का फार्म)

सं. एक—

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार्य विभाग

नई दिल्ली

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय: येन केडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई  
बी पी के प्रचीन आयात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र  
जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-3-1980 को किए गए समझौते की शर्तों के  
अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वोच्च—  
के नाम में— येन धनराशि के लिए—  
अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति आयातक के बैंक  
प्रो.ई. सी. एक. भारतीय हुतावास, टोकियो और हमें भुक्तिकृत की जाए।

3. साख-पत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान  
आपकी मिथि से किया जाएगा। भुगतान के साथ प्रो.ई.सी.एफ. की  
आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा सरकार  
करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको—  
(आयातक के बैंक का नाम और पता) की मूल पोतपरिवहन दस्तावेज  
(मोल तोल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सेट और नकल भुग-  
तान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए  
डेबिट एडवांस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की मिथि से और  
प्रो.ई.सी.एफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय  
के लिए आपको वेच ब्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के  
लेखे की प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूचों के माध्यम से भारत में  
आयातक के संबद्ध बैंक के साथ किया जाएगा। बैंकों के प्रत्येक खर्च  
जिसमें साख-पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साख-पत्रों की जारी रखने के  
लिए खर्च भी शामिल है क्योंकि वे सी परक्राम्य दस्तावेजों के संवाहन से  
संबंधित है और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च या  
विदेशी संभरक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनका  
भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त  
किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा  
प्रो.ई.सी.एफ. में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी  
प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रांत में  
इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकारपत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के  
लिए है। इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के  
सद्वे खोले गए आगे के लिए साख-पत्र या साख-पत्रों में आर में संगोपनों का  
अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकार पत्र— — — — — तक वैध रहेगा।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पत्राचारों में और भुगतान प्रवर्धित  
करने वाली एडवांस में सी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संज्ञा  
का हवाला दें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक ————— को उनके पत्र सं. ————— दिनांक के  
————— के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी  
लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से  
रुपया निक्षेप प्राप्ति जमा कराने का प्रबन्ध करें। प्रत्येक परिस्थितियों  
के रूप में यदि माल की डिलीवरी सोचे हुए सीमाभूक्त और पणन प्राधि-  
कारियों से मूल पोतपरिवहन दस्तावेज भेजे बिना की प्राप्ति कर दी जाती है,  
तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों  
द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही संरक्षक बांजक  
भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निक्षेप कर दिए जाए। निक्षेप भोत्रता  
और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस शर्तों के अनुसार कार्रवाई का  
जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंक ————— की यह आयात लाइसेंस  
————— दिनांक ————— के संदर्भ में है। यह प्राधि-  
कारपत्र-येन-केडिट के प्रचीन आयातों की नियंत्रित करने वाली संबंधित  
लाइसेंस शर्तों के संतर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस शर्तों और  
संबंधित सार्वजनिक सूचना/आवेदन का प्रवलोकन किया जाए और आयात/  
विदेशी भुगतानों से संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो  
आप से दस्तावेज प्राप्ति करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के  
बराबर रूपए जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि  
के बराबर रूपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं.-8-आईटीसी (पी एन)  
76, दिनांक 17-1-1976 या प्रत्येक ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-  
समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने की तिथि  
को यथा प्रवर्धित परिवर्तन की मिथित दर पर की जाएगी प्रथम 30  
दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इसके अधिक अवधि के  
लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान की  
तारीख बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और जब समुचित रूपए  
भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के  
बीच की अवधि के लिए लगाया गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं.  
31-आईटीसी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार  
के लेखों में जमा कगना प्रवर्धित है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है  
अर्थात् यह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है  
और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रूपए जमा कराया  
जाता है। (जब भी इस दर से परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर  
दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा  
शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व  
यह धनराशि जमा की जानी है।

(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या  
भारतीय स्टेट बैंक, तोस हजारी में चालान के दाहिना ओर फोड सं.  
5130000009 दर्जित हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान  
सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68,  
233-आईटीसी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 122-आईटीसी



(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, पं. 71-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 31-5-74 एवं पं. 103-आईटीसी/(पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावधानों की ओर ध्यान दिया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा करना है "के डिपॉजिट्स एण्ड एडवाइस-843-सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परसेजिंग एटमेटेड प्रवाइड एंडर क्रेडिट/लोन एग्रीमेंट्स जोन फोम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान विलियन येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) स आईटीसी(-) फार 198-8 है।

(4) जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम लिमिटेड में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा करना है उसमें चालान के मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पण का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रपत्र पत्र सहित, उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:—

(5) जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना सं. दिनांक 24-10-1968 में तथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपया का पूरा ध्वीरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) संभरक को भुगतान की तिथि से और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तारीख तक के बीच के समय के लिए बैंक ऑफ इंडिया को देय ब्याज प्रसार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखों को प्रभावी किए बिना सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के माध्यम से निपटाया जाएगा।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2,  
समुद्रपार आर्थिक सहयोग निधि,  
टेकयसी म्यूचुअलिटी, 4-1, ओटाटोमेची 1-कोमे,  
चियेडा-कू, इकियो, 100 जापान।
4. भारतीय दूतावास, टोकियो।
5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

#### अनुबन्ध-4

प्रपत्र ओ ई सी एफ-एल सी-I

अपरिवर्तनीय साख-पत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक:

सेवा में,

यह साखपत्र (ऋणी) और निवेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. \_\_\_\_\_

दिनांक \_\_\_\_\_ के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमने आपके नाम में निकाले जाने वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए डाफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय साख पत्र सं. \_\_\_\_\_ खोल दिया है जो

(अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के माध्यम से भेजा जाना है:—

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीजक, समुद्री पोतलवान बिल जिनमें दिए गए प्रादेशों का पूरा सेट हो ब्लैक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "पैट एवं नोटिफाई" अंकित किए गए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलवान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण (संविदा सं. \_\_\_\_\_) (यदि कोई हो) के संदर्भ में \_\_\_\_\_ से \_\_\_\_\_ आर्थिक पोत-लदान स्वीकृत है। वाहनांतरण स्वीकृत है। लदान बिल \_\_\_\_\_ के बाद की तिथि में नहीं होना चाहिए। डाफ्ट \_\_\_\_\_ तक वातचीन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी डाफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साख पत्र सं. \_\_\_\_\_ दिनांक \_\_\_\_\_ के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ सं. \_\_\_\_\_ (संख्याएं) (यदि कोई हों) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम ऋण और इसकी शर्तों के अनुरूप आती किए गए और इसकी शर्तों का अनुपालन करके जारी किए गए सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और अहर्ता को दस्तावेजों को मुद्राई पर विधिकार स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न उल्लेख किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कम्पस एण्ड प्रैक्टिस फार डाफ्टों के क्रेडिट (1974 रिजिशन) इंटरनेशनल चैंबर ऑफ कामर्स बोचर सं. 290" के अंतर्गत लेन देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश।

1. उपर्युक्त ऋण समझौते के अंतर्गत जारी किए गए वचन पत्र का व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से हमारे भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के तब हम वचन देते हैं कि हम लेन देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार डाफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए हमें डाफ्टों और दस्तावेजों के एक पूरे सेट के साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेजों के साथ ही हवाई डाक द्वारा \_\_\_\_\_ को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च आयातक/संभरक के लेखों के लिए हैं।

भवदीय

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान शर्तें:

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं. \_\_\_\_\_ का अभिन्न अंग है।

1. प्राथमिक भुगतान

धनराशि \_\_\_\_\_ येन जो कि कुल संविदा मूल्य के \_\_\_\_\_ प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

2. मध्यवर्ती भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि ----- येन  
जो कि कुल संविदा मूल्य का -----  
प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

3. पोतलदास दस्तावेजों के मुद्दे भुगतान

धनराशि ----- येन  
संविदा के कुल मूल्य का -----  
प्रतिशत है।

टिप्पणी :— पोतलदास दस्तावेजों के मुद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इसे संलग्न दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध-5

(प्रपत्र ओ ईसी एफ - एल सी-2)

(अपरिवर्तनीय साख-पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक :

मेवा में,

----- यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग  
निधि के बीच हुए

----- ऋण करार स. ----- दिनांक  
(संभरक का नाम व  
पता)

के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण  
व्यय मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रकम या  
रकमों के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र से -----  
खोल दिया है जो येन ----- (येन -----) की  
कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के  
संबंध में ठेका सं. -----) से संबंधित दस्तावेजों को लम्बी करना  
है सोदा मय करने के लिए ड्राफ्ट ----- पढ़ने प्रस्तुत किए जाने  
चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं -----  
के अन्तर्गत डान लिखा होता चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तान्तरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी गतों का  
अनुपालन करके भुनाए गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशिनी  
को दस्तावेजों की सुपुर्वगी पर विशिष्ट स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक न बताया जाए, यह क्रेडिट  
"यूनिफार्म कस्टमस एण्ड प्रैक्टिस फार ड्राफ्टमेंटरी क्रेडिट्स (1971 रिवीजन)  
इंटरनेशनल बैंक ऑफ कॉमर्स बोचर नं. 240" के अधीन है। सोदा  
करने वाले बैंक को विशेष अन्देश।

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनीत अधि-  
कारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के पूरा विवरण की प्राप्ति के पश्चात  
इन क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान हममें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान  
अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतान के मामले में  
उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता  
है।

2. अगर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता  
पत्र के उपबंधों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि में भरे भुगतानों  
के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राफ्टों को धनराशि का मोन  
तोच करने वाले बैंक तक जारी किए गए प्रपत्रों के अनुसार प्रेषित करने  
का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और  
अभीष्ट हमें उसकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।

4. इस साखपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयानकों/संभरकों के  
लेखों के लिए है।

भवदीय,

वाणिज्यिक बैंक.

द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र सं ----- का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि ----- येन

कुल संविदा मूल्य का ----- प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेज : लाभकारी का विवरण अंतिम भुगतान तिथि .

2. भुगतान वृद्धि

संपूर्ण योग : धनराशि ----- येन

कुल संविदा मूल्य का ----- प्रतिशत निम्न

प्रकार से भुगतान किया जाना है :—

देय धनराशि

अंतिम भुगतान तिथि

पहली किस्त येन -----

दूसरी किस्त येन -----

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋणी अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी  
किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति त्रिपिका एक पत्र संलग्न है।

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 202-ITC(PN)|85-88

New Delhi, the 17th July, 1987

Sub : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 3.791 Billion for the implementation of the Haldia Port modernisation Project of the Calcutta Port Trust extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC|23(35)|85-88.—The terms and conditions governing import under the Yen Credit of Yen 3.791 Billion for the implementation of the Haldia Port modernisation Project of the Calcutta Port Trust Extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA

Chief Controller of Imports and Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller of Imports &amp; Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE  
PUBLIC NOTICE NO 202-ITC(PN)|85-88 DATED  
17TH JULY, 1987.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF  
IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES  
UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 3.791 BIL-  
LION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE  
HALDIA PORT MODERNIZATION PROJECT  
OF THE CALCUTTA PORT TRUST EX-  
TENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC CO-  
OPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

## Section I—General Conditions

I (i) The Yen credit of yen 3.791 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Haldia Port Modernization Project of the Calcutta Port Trust is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed yen 4.170 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also

enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 41". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to Calcutta Port Trust a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Calcutta Port Trust on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 4.170 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension|issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E. A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB|C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract document reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period

of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee or a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the tupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

“.....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....”.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-91.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulation :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval.

Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 41 for 1986-87 the details of which are given in Section VII below.

#### II (iv) Eligibility of Supplier

The suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (v) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae.

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

#### II (vi) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in..... (name of eligible source country).

"I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty percent (30%) in accordance with the following formula.

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(where applicable Ex-factory Price)



"I, the undersigned, hereby certify that.....  
(Name of company) has been incorporated and registered in.....(name of eligible source country), and is controlled by nationals of.....  
(name of eligible source countries concerned)".

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen Credit No. ID-P. 41 (Project Aid) for Haldia Port Modernization Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 41 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF : (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import license and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

(ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

(iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payments to the Overseas supplier—letter of Credit Procedure

V. (i) On receipt of the Notice of conclusion of contract and contract documents the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached as Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer of the Importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the Importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would *ipso-facto* apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF. The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment of OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the supplier/importer. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank in India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

#### V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE of the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit :—

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI, Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated @ 18 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-IIC (PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payments is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide public Notice No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-IIC (PN)/76 dated 12-10-1976, and Public Notice No. 31-IIC (PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers' Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notices No. 109-IIC (PN)/74 dated 3-8-1974 and No. 8-IIC (PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are cor-

tly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan agreements" Loan from the Government of Japan-3.791 Billion Yen Credit No. ID-P. 41 for the Haldia Port Modernization Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184 ITC (PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of public Notice No. 132-IIC (PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the Rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 20 days of the receipt of the advice of payments and

negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section VII—Miscellaneous provisions

VII (i) Reports on the utilization of the import licence

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the Supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) no. 1D-P. 41 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures

Annexure-I :—List of eligible source countries.

Annexure-II :—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure-III :—Form of Letter of Authority.

Annexure-IV :—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure-V :—Form of Letter of Credit (Applicable to services).

## ANNEXURE I

### LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

#### A. Developing Countries and Territories

##### (a) Non-OPEC Developing Countries

#### I. AFRICA, North of Sahara

Egypt  
Morocco  
Tunisia

#### II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Benin  
Botswana  
Burundi  
Cameroon  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic of Dahomey  
Equatorial Guinea(1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger  
Portuguese Guinea  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and dep(2)  
Sao Tomé and Príncipe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan  
Swaziland  
Togo, Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia

#### III. AMERICA, North and Cent.

Bahamas  
Barbados  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador

Guadeloupe  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.
- (2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Cunha, Inaccessibles, Nightingale, Gough.
- (3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

### III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.  
(a) Associated States(1)  
(b) Dependencies(2)

### IV. AMERICA, South

Argentina  
Bolivia  
Brazil  
Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

### V. ASIA, Middle East

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Oman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates(3)  
Yemen Arab Republic  
Yemen, People's D.R.(4)

### VI. ASIA, South

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldives  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

### VII. ASIA, Far East

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of  
Macao  
Malaysia  
Philippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor  
Viet-Nam, Rep. of  
Viet-Nam, Dem. Rep.

### VIII. OCEANIA

Cook Islands  
Fiji  
Gilbert & Ellice Is.  
French Polynesia(5)  
Nauru  
New Caledonia  
New Hebrides (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands(US)(6)  
Papua New Guinea  
Solomon Islands (Br.)  
Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa

### IX. EUROPE

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

#### (a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria  
Ecuador

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)



Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia.

## ANNEXURE II

## REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street,  
New Delhi-110001.

Sub : Import of \_\_\_\_\_ from \_\_\_\_\_ under the  
Yen Credit No. ID-P. \_\_\_\_\_ (Project Aid  
for 198 -8 ).

Sir,

In connection with the import \_\_\_\_\_ from \_\_\_\_\_  
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. \_\_\_\_\_  
(Project Aid) we furnish the following particulars to  
enable you to issue the Letter of Authority to the \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ (name of the Bank) which should be the same  
as given in (P) below for opening a letter of credit  
in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment, part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

## ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid)  
Loan Agreement No. ID-P. \_\_\_\_\_ Issue of Letter  
of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of  
the agreement dated 25-3-80 entered into with your  
Bank, you are hereby authorized to open irrevoc-  
able Letter of Credit for an amount not exceeding

Yen ..... favouring M/s. ....  
as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to ..... (Name and address of the importer's Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from this Ministry.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to .....

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer ..... with reference to their letter No. .... dated .....

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

22. (i) Importer's Banker..... This has reference to import Licence No. .... date .... This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii). They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit Loan Agreements" Loans from the Government of Japan..... billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P ..... for 1988.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

#### ANNEXURE-IV

##### Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

To \_\_\_\_\_ Date : \_\_\_\_\_  
This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
Dated \_\_\_\_\_  
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC CORPORATION FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_

(Say yen available for your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any) from to \_\_\_\_\_

partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than \_\_\_\_\_

Drafts must be presented for negotiation not later than .... All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under \_\_\_\_\_ irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ and Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ (if any).

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

#### Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the draft and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to \_\_\_\_\_.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....  
(a commercial bank)

By:

(Authorized Signature)

**PAYMENT TERMS**

This payment terms constitutes an integral part of letter of Credit No. \_\_\_\_\_

**I. Initial Payment**

Amount : \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date \_\_\_\_\_

**II. Intermediate Payment (if any)**

Amount : \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date \_\_\_\_\_

**III. Payment against shipping Documents**

Amount : \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

**Special instructions to the negotiating bank :**

1. After receipt of the original statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued hereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

\_\_\_\_\_  
(a commercial bank)

By : \_\_\_\_\_  
(Authorised Signature)

**ANNEXURE—V****Form OECF-LC II****Irrevocable Letter of Credit**

(Applicable for services)

To \_\_\_\_\_

Date : \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
dated \_\_\_\_\_  
(Name and address of the between (Borrower) and THE  
Supplier) OVERSEAS ECONOMIC  
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to..... Project).

Draft must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

**PAYMENT SCHEDULE**

This Payment Schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_

**I. Initial Payment**

Amount Yen \_\_\_\_\_ being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents : beneficiary's Statement

Latest Presentation date : \_\_\_\_\_

**II. Progress payment**

Aggregate amount Yen \_\_\_\_\_ Yen \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price to be paid as follows :

Amount due Latest presentation

1st Instalment Yen \_\_\_\_\_

2nd Instalment: Yen \_\_\_\_\_

Required document: A copy of Statement of performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.



## Statement of Performance

Date.

Ref. No.

CEASE ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance  
with the Payment Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_,  
dated \_\_\_\_\_ between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_,

To \_\_\_\_\_

(Name and Address of the Supplier)

(Borrower)

Re: Letter of Credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
issued by \_\_\_\_\_ in favour of \_\_\_\_\_  
for Yen \_\_\_\_\_ in favour of \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_ concerning \_\_\_\_\_ Project under  
Loan Agreement No. \_\_\_\_\_,

By : \_\_\_\_\_  
(Authorised Signature)

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a  
Statement of Performance to entitled \_\_\_\_\_ to receive the sum  
of Yen \_\_\_\_\_ (Yen only) from the THE OVER-

## Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the  
sheet attached hereto.

